



# भारत का गोपनीय The Gazette of India

अतिथिकारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रतिपक्षकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 223] मई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 19, 1993/चैत्र 29, 1915  
No. 223] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 19, 1993/CHAITRA 29, 1915

इस भाग में भिन्न प्राण संस्था वाली हैं जिससे यह अलग संकालन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be field as a  
separate compilation

विधि, न्याय और कपनी कार्य मन्त्रालय

(विधायी विभाग)

श्रद्धासूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1993

का. आ. 247(अ):—राष्ट्रपति ने, लोक सभा के लिए माध्यारण निर्वाचन कराने  
के प्रयोजन के लिए, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) को धारा 14  
की उपशारा (2) के अधीन निकाली गई अविभूतना ढारा, जो तारीख 19 अप्रैल, 1991

के भारत के राजपत्र के असाधारण अंक में प्रकाशित की गई थी, सभी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों (उनसे भिन्न जो जम्मू कश्मीर राज्य में हैं) से अपेक्षा की थी कि वे उक्त मदन के लिए सदस्य निर्वाचित करें;

और निर्वाचन प्रायोग ने, भारत के संविधान के अनुच्छेद 324, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 58, धारा 58क, धारा 135क और धारा 153 द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस निमित्त उसे सणक्त करने वाली सभी ग्रन्थ शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बिहार राज्य में 35-पटना संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचन 21-5-1991 को प्रत्यादिष्ट कर दिया था;

और 35-पटना संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन को प्रत्यादिष्ट करने वाले निर्वाचन प्रायोग के तारीख 21-5-1991 के आदेश को, उस निर्वाचन में लड़ने वाले एक अध्यर्थी ने विस्तीर्ण उच्च न्यायालय में 1991 की सिविल रिट याचिका स. 2044 (श्री आर्द्ध. के. गुजराल बनाम भारत निर्वाचन प्रायोग और ग्रन्थ) द्वारा प्रबन्धित किया था;

और उच्च न्यायालय ने तारीख 28-10-1992 को दिल्ली उच्च न्यायालय पूर्वोक्त सिविल रिट याचिका को वापस लिए जाने के कारण खारिज कर दिया था;

और उक्त निर्वाचन के संबंध में सभी कार्यवाहियां सब बाबत नए सिरे से प्रारम्भ की जानी हैं मानो वे नए निर्वाचन के लिए हों;

**प्रतः श्रव, राष्ट्रपति,** लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 14 की उपधारा (2) के उपबंधों के अनुसारण में, उक्त संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से अपेक्षा करते हैं कि वह उक्त अधिनियम के और उसके अधीन बनाए गए नियमों और किए गए आदेशों के उपबंधों के अनुसार सदस्य निर्वाचित करें।

[सं. 13(5) 93 वि. (II)]  
के. एल. मोहनपुरिया, सचिव,

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 1993

**S.O. 247(E).—**Whereas, for the purpose of holding a general election to the House of the People, the President had, by notification issued under sub-section (2) of section 14 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) and published in an extra ordinary issue of the Gazette of India dated

the 19th April, 1991 called upon all the Parliamentary Constituencies (other than those within the State of Jammu and Kashmir) to elect members to the said House;

And whereas the Election Commission, in exercise of the powers conferred by article 324 of the Constitution of India, sections 58, 58A, 135A and 152 of the Representation of the People Act, 1951 and all other powers enabling it in this behalf, countermanded the election on 21-5-1991 in 35-Patna Parliamentary Constituency in the State of Bihar;

And whereas the order dated 21-5-1991 of the Election Commission countermanding the election in 35-Patna Parliamentary Constituency was called in question by one of the contesting candidates at that election before the High Court of Delhi in Civil Writ Petition No. 2044 of 1991 (Shri I. K. Gujral vs. Election Commission of India and others);

And whereas the aforesaid Writ Petition before the High Court of Delhi has been dismissed by the High Court on 28-10-1992, as withdrawn;

And whereas all proceedings with reference to the said election have to be commenced anew in all respects as if for a new election;

Now, therefore, in pursuance of the provisions contained in sub-section (2) of section 14 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the President is hereby pleased to call upon the said parliamentary constituency to elect a member to the House of the People in accordance with the provisions of the said Act and of the rules and orders made thereunder.

[No. 13(5)|93-Leg. II]

K. L. MOHANPURIA, Secy.

